MAHD-08

December - Examination 2025
M.A. (Final) Examination
HINDI
आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा
Paper : MAHD-08

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) सॉनेट छंद को परिभाषित करिए।
   (ii) मुक्ति बोध के दो काव्य–संग्रह के नाम बताइये।
   (iii) नयी कविता की दो विशेषताएँ बताइये।
   (iv) महाप्रस्थान खण्डकाव्य की रचना किसने की तथा इसका कथा स्त्रोत कौनसा ग्रन्थ है?
   (v) रमानाथ अवस्थी के गीतों की दो विशेषताएं बताओ।
   (vi) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष बताते हुए इसके दो प्रमुख कवियों के नाम बताओ।
   (vii) सोहनलाल द्विवेदी किस काव्यधारा के कवि हैं?
   (viii) 'आम्र बौर का अर्थ' की भाव संवेदना को अभिव्यक्त कीजिए।

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

लहरों के नीले अवगुण्ठन में
जहाँ सिन्दूरी गुलाब–जैसा सूरज खिलता था
वहाँ सैकड़ों निष्फल सीपियाँ छटपटा रही हैं
–और तुम मौन हो
मैंने देखा कि अगणित विक्षुब्ध विक्रान्त लहरें
फेन का शिरस्त्राण पहने
सिवार का कवच धारण किये
निर्जीव मछलियों के धनुष लिये
युद्ध मुद्रा में आतुर हैं
– और तुम कभी मध्यस्थ हो
कभी तटस्थ
कभी युद्धरत।

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

भूल–गलती
आज बैठी है ज़िरहबख़्तर पहनकर
तख्त पर दिल के,
चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,
आँखे चिलकती हैं नुकीले तेज पत्थर–सी
खड़ी हैं सिर झुकाए
सब कतारें
बेजुबाँ बेबस सलाम में,
अनगिनत खंभों व मेहराबों–थमे
दरबारे–आम में।

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

सुनो! सुनो!
यहीं कहीं एक कच्ची सड़क थी
जो मेरे गाँव को जाती थी।
गुदना गुदाए, स्वस्थ मांसल पिंडलियाँ थिरकाती
ढोल, मादल, बाँसुरी पर नाचती थी,
पलक झुका गीले केश फैलाए,
रामायण की कथा बाँचती थी,
ठाकुर द्वारे में कीर्तन करती थी,
आरती–सी दिपती थी
चंदन–सी जुड़ाती थी
चरणामृत–सी व्याकुल होठों से लगकर
रग–रग में व्याप जाती थी।

5. सोहनलाल द्विवेदी की गीतों में राष्ट्रीयता का स्वर मुखर हुआ है। लिखिए।
6. गीत परम्परा में नीरज का स्थान निर्धारित करिए।
7. 'असिद्ध की व्यथा' कविता की संवेदना और शिल्प पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।
8. नयी कविता की मुख्य प्रवृत्तियों को रेखांकित करिए।
9. मुक्तिबोध के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. ''धर्मवीर भारती के काव्य में रोमानी भाव बोध के साथ–साथ समाज–बोध भी व्यक्त हुआ है।'' कनुप्रिया के आधार पर बताइये।

11. ''नन्द किशोर आचार्य की कविताओं में बिम्ब–विधान एवं शिल्प–पक्ष के नवीनतम प्रयोग हुए हैं।'' स्पष्ट करिए।

12. 'समकालीन कविता नयी कविता की पुनर्स्थापना है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

13. किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए –
    (i) नवगीत की विशेषताएँ
    (ii) गिरिजा कुमार माथुर का काव्य
    (iii) आधुनिक हिन्दी गीतों का स्वरूप
    (iv) समकालीन कविता की विशेषताएँ